की, यदि हां, तो बातचीत का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या निर्णय लिया गया, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सलमान खुशीद) : (क) से (ग) 25 जून, 1995 को दक्षिण में बेलोनिया में भारत-बंगलादेश सीमा के पार बंगलादेश राइफल ने मुहरी नदी के किनारे पर मरम्मत कार्य में लगे भारतीय अधिकारियों और श्रमिकों पर बिना किसी कारण गोली चलाई । इस घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ था । 27 जून, 1995 को बेलोनिया में हमारे सीमा सुरक्षा बल तथा बंगलादेश राइफल के बीच कमाडेंट स्तर पर एक 'फ्लैग' बैठक हुई थी । बंगलादेश राइफिल ने मुहरी तट पर चल रहे मरम्मत कार्य को बाधा न पहुंचाने के सम्बन्ध में लिखित में दिया था । 3 जुलाई 1995 से उक्त कार्य पुनः आरंभ कर दिया गया है ।

Electrification of railway stations In Gujarat

1545. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will (he Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what are the details of railways stations in Gujarat where electrification work has been in progress during 1993-94 and 1994-95 till date;

(b) what are the details of the amount spent on this work during the above period; and

(c) by when this work is likely to be completed?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) and (b) The names of the railways stations in Gujarat where electrification work has been in progress and the amount spent during 1993-94,1994-95 and till date in 1995-96 are as under:—

(0 Stations where work has been In progress during the year 1993-94.

SI.No.	Name of the stations Amount spent	(in Rs.)
1.	Virochen Nagar	3,36.562
2.	Dhamarda	61.030
3.	Mitha	1,42.000
4.	Bhutakia Bhimsar	1,46.000
5.	Piprala	1,34.000
6.	Kanakot	91.419
7.	Kiyal Sedhavi	1.11,275
8.	Ramaparda	1,97,415
9.	Chandarwa	46,098
10.	Rayaka	
41.	Aditpara	2,65,000
12.	Vljapadl Road	
13.	Chamraj	1.99,691

(ii) Stations where work has been in progress during the year 1994-95.

S I.	No. Name of the stations	Amount spent (in Rs,)
1.	Jallya	89,074
2.	Barwala Road	2,45,615
3.	Pudgam Ganeshpura	2.23.692
4.	Plplee	1,23,000
5.	Lorwada	1,25,000
6.	Hansapore	1.70,000

(Hi) Stations when work has been in progress in 1995-96.

SI. No.	Name of the station	Amount spent (in Rs.)
1.	Chhatral	1.42,932

(c) Electrification work at all the above stations has since been completed.

एम0 टी0 एम0 एल0 के कार्यकरण की समीक्षा

1546. **श्री ईश दत्त यादव :** श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एम0 टी0 एन0 एल0निदेशक मंडल ने दिल्ली टेलीफोन के कार्यकरण विशेषकर उसके प्रशासन तथा सतर्कता विभागों की समीक्षा की हैं,

(ख) यदि हां, तो समीक्षा के क्या परिणाम रहे है, और

(ग) सरकार के ने परिणामों के आधार पर क्या कार्रवाई की हैं ?

संचार मंत्राल के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) से (ग) यह कार्यपालक के स्तर का कार्य हैं तथा महानगर टेलीफोन निगम लि0 के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियमित रूप से दिल्ली टेलीफोन के कार्यकरण की समीक्षा करते हैं । ऐसे किसी भी मामले, जिसमें बोर्ड का ध्यान आकृष्ट किया जाना अपेक्षित हो या ऐसा नीतिगत मामला जिसके

लिए बोर्ड का अनुमोदन प्राप्त करा अपेक्षित हो, तो उसे बोर्ड के विचारार्थ प्रस्तुत किया जाता हैं । दिल्ली टेलीफोग्स का प्रचालन कार्य, दूरसंचार विभाग के व्यापक मार्ग निर्देसों तथा नीतियों के अनुसार किया जानाहै तथा इसके समग्र कार्यकरण का मूल्यांकन एक आई एम आर बी नामक स्वतंत्री एजेंसी द्वारा वर्ष में दो बार किया जाता है । समय समय पर पाई गई कमियों पर उचित कार्रवाई की जाती है ।

Production of Electronic Exchanges by Indian Telephone Industries

1547. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased In stale:

(a) whether Indian Telephone Industries Limited are manufacturing Electronic Exchanges, if so, the total installed capacity:

(h) what is the actual production of Electronic Exchanges by ITI during 1992-93, 1993-94 and 1994-95;

(c) what are the reasons thai the total production capacity of the IT) has noi been fully utilised; and

(d) whether it is a fact the DOT Is not placing orders for Electronic Exchanges on the basis of its installed capacity with ITI, if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) Yes, Sir. ITI Ltd. are manufacturing Electronic Exchanges ulso. Though the capacity is defined in terms of finished products but in telecom sector, changes In product mix, technology, level of integration, the stages of product life cycle etc. considerably Influence the capacity of a unit for a product. Il Is, therefore, difficult to arrive at the exact capacity of the various products of the Company.

(b) The actual production of Elelronlc Exchanges by ITI during 1992-93,1993-94 and 1994-95 has been as follows:

Ycur	1992-93	1993-94	1994-95
Production in million	1.64	1.75	1.89

(c) Competition from other manufacturers, general fall in prices of the tele-corn equipment and less demand in respect of certain types of exchanges by the DOT are the main reasons.

(e) Yes, Sir. the cquiment for electronic exchanges is procured by the DOT on the basis of tenders. However, with a view to optimally utilised the capacity and infrastructure of its own PSEs vl/.. ITI and HTL, as also to keep these PSEs commercially viable, DOT Is following a policy under which 30 to 35% of DOTs orders for the items manufactured by these Companies are kept reserved for them. However, no concession/preference is given in respect of price, quality and supply schedule.

दिल्ली की ऐतिहासिक कुर्सी का गायब होना

1548. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :**

श्री सुरेश पचौरी :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 20 जुलाई, 1995 के "नवभारत टाइम्स" के प्रथम पृष्ठ पर "कहां गई लियाकत अली की कुर्सी" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर आकृष्ठ किया गया है, और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी विस्तुत जानकारी क्या है और क्या इस मामलें में शामिल उन व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें दण्डित करने हेतु कोई कदम उठाये गयेहैं जिन्होंने पाकिस्तान सरकार की आकांक्षाओं को पूरा किया है, यदि हां, तो इन कदमों का ब्यौरा क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी0 एम0 सईद) : (क) जी हां, श्रीमान ।

(ख) दिल्ली वक्फ बोर्ड ने सूचित किया है कि सुन्नी मजलिस औकाफ केप्रथम अध्यक्ष की कुसी वर्ष 1986-87 तक उनके कार्यालय की शोभा बढ़ाती रही जबकि उसे मरम्मत और रंग रोगन करने के बहाने वहां से हटाया गया । वर्ष 1992 में की गई जांच में बोर्ड के पूर्व सहायक सचिव ने कहा था कि कुसी दिल्ली वक्फ बोर्ड के एकपूर्व सदस्य श्री अब्दुल हई अन्सारी द्वारा मरम्मत के लिए ले जायी गई हैं, तथा बोर्ड के कनिष्ठ अभियंता को कुर्सी वापस लाने के लिए बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद भी यह कुर्सी कभी वापस नहीं आई ।

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने एक तीन सदस्यीय समिति का गठन उन परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया है जिनके अधीन बोर्ड के कार्याल्य से यह कुसी हटाई गई थी ।